(iii) 'भूरी-भूरी' 'खाक धूल' काव्य संग्रह किसका है ?

(क) नागार्जुन (ख) मुक्तिबोध

(ग) अज्ञेय

(iv) मुक्तिबोध की वाक्य संरचना किस भाषा से प्रभावित है ?

(क) बंगाली (ख) मराठी

(ग) गुजराती

(v) किस काव्यधारा का विकास कालान्तर में नई कविता के रूप में हुआ ?

(क) छायावाद (ख) प्रगतिवाद

(ग) प्रयोगवाद

(vi) 'सतरंगी पंखों वाली' काव्य संग्रह किसका है ?

(क) नागार्जुन (ख) अज्ञेय

(ग) मुक्तिबोध

(vii) नागार्जुन का मूल नाम क्या है ?

(क) पीतांबर मिश्र (ख) वैद्यनाथ मिश्र

(ग) जनेश्वर मिश्र

(viii) शमशेर बहादुर सिंह को किस रचना पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला ?

(क) कुछ कविताएँ (ख) चुका भी हूँ नहीं मैं

(ग) इतने मास अपने

(ix) 'कालजयी' खण्डकाव्य के रचयिता कौन हैं ?

(क) भवानी प्रसाद मिश्र (ख) शमशेर बहादुर सिंह

(ग) नागार्जुन

(x) सर्वोदयवादी कवि किसे कहा जाता है ?

(क) अज्ञेय (ख) विजयदेव नारायण साही

(ग) भवानी प्रसाद मिश्र

(xi) नचिकेता-वाजश्रवा का आख्यान किस उपनिषद् में है ?

(क) मुण्डकोपनिषद् (ख) कठोपनिषद्

(ग) ईशावास्योपनिषद्

(xii) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की कविताएँ किस सप्तक में संकलित हैं ?

(क) दूसरा सप्तक (ख) तीसरा सप्तक

(ग) चौथा सप्तक

(xiii) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के काव्य संग्रह का नाम है :

(क) काठ की घंटियाँ (ख) बाँस का पुल

(ग) ये दोनों

(xiv) केदारनाथ सिंह को 1989 में कौनसा पुरस्कार दिया गया था ?

(क) साहित्य अकादमी पुरस्कार

(ख) व्यास सम्मान

(ग) पद्म भूषण 1×14=14

भाग-ख

2. अज्ञेय के काव्य-वैशिष्ट्य की विवेचना कीजिए।

अथवा

मुक्तिबोध के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

3. 'कालिदास' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

अथवा

शमशेर बहादुर सिंह के काव्य के भाषागत एवं शिल्पगत सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

4. भवानी प्रसाद मिश्र का साहित्यिक परिचय दीजिए।

अथवा

कुंवर नारायण के काव्य के अभिव्यक्तिगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

5. 'मैंने कब कहा' कविता का मूल भाव क्या है ?

अथवा

केदारनाथ सिंह की काव्यगत विशेषताएँ बताइए। 7×4=28

भाग-ग

6. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी कांपा,
वह पीड़ा, जिसकी गहराई को स्वयं उसी ने नापा,
कुत्सा अपमान, अवज्ञा के धुँधलाते कड़वे तम में,
यह सदा-द्रवित, चिर-जागरूक, अनुरक्त-नेत्र,
उल्लम्ब-बाहु, यह चिर-अखंड अपनापा।

अथवा

असल तो यह है कि
कोई अर्थ मर गया देखते-ही देखते
लेकिन वह
जिंदगी का नक्शा पेश कर गया (हाय! हाय!)
उसका यह प्रस्तुतीकरण भी सही है
संवेदन यही है, संवेदन का निवेदन यही है।

(ख) शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हुई महाज्वाला से
घृतमिश्रित सूखी समिधा सम
कामदेव जब भस्म हो गया
गति का क्रंदन सुन आँसू से
तुमने ही तो दृग धोये थे ?
कालिदास! सच-सच बतलाना
रति रोयी या तुम रोये थे।

अथवा

तितलियाँ गोया चमन की फिजा में नश्तर लगाती हैं।

एक पल है यह समाँ

जागे हुए उस जिस्म का।

जहाँ शाम डूबकर फिर सुबह बनती है

एक-एक,

और दरिया राग बनते हैं—कमल

फानूस-रातें मोतियों की डाल।

(ग) जी, गीत जनम का लिखूँ, मरण का लिखूँ,

जी, गीत जीत का लिखूँ, शरण का लिखूँ,

यह गीत रेशमी है, यह खादी का,

यह गीत पित्त का है, यह वादी का।

कुछ और डिजाइन भी हैं, यह इल्मी,

यह लीजे चलती चीज नई, फिल्मी

यह सोच-सोच कर मर जाने का गीत।

अथवा

आह, तुम नहीं समझते पिता, नहीं समझना चाह रहे,

कि एक-एक शील पाने के लिए

कितनी महान् आत्माओं ने कितना कष्ट सहा है

सत्य, जिसे हम सब इतनी आसानी से

अपनी-अपनी तरफ मान लेते हैं सदैव

विद्रोही-सा रहा है।

(घ) मैंने कब कहा कि मेरा धर्म है

मर्म सलाहाकार व्यथा सुला देना,

मैंने कब कहा कि मेरा कर्म है

चिके गुब्बारे को गैस भर फुला देना ?

यह तो वे करते हैं

जो असत्य के चश्मे

आँख पर चढ़ाकर बस हरा-हरा देखते हैं,

यह तो वे करते हैं

जो सूखी बालू पर

प्यासे बवंडरों-सा मृगजल देखते हैं।

अथवा

हर बार लौटकर
जब अन्दर प्रवेश करता हूँ
मेरा घर चौंककर कहता है 'बधाई'
ईश्वर
यह कैसा चमत्कार है
मैं कहीं भी जाऊँ
फिर लौट आता हूँ
सड़कों पर परिचय-पत्र माँगा नहीं जाता
न शीशे में सबूत की जरूरत होती है। 7×4=28

Roll No. .....

Total No. of Questions : 6] [Total No. of Printed Pages : 8

(2034)

UG (CBCS) IIIrd Year Annual Examination

3087

B.A. HINDI

(छायावादोत्तर हिन्दी कविता)

(DSE-1B)

Paper : HIND-306

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 70**

भाग-क

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) प्रयोगवाद का प्रवर्तक किसे माना जाता है ?

(क) निराला (ख) प्रसाद

(ग) अज्ञेय

(ii) अज्ञेय जी ने निम्नलिखित में से किस पत्रिका का संपादन किया ?

(क) यायावर (ख) हरिगंधा

(ग) प्रतीक